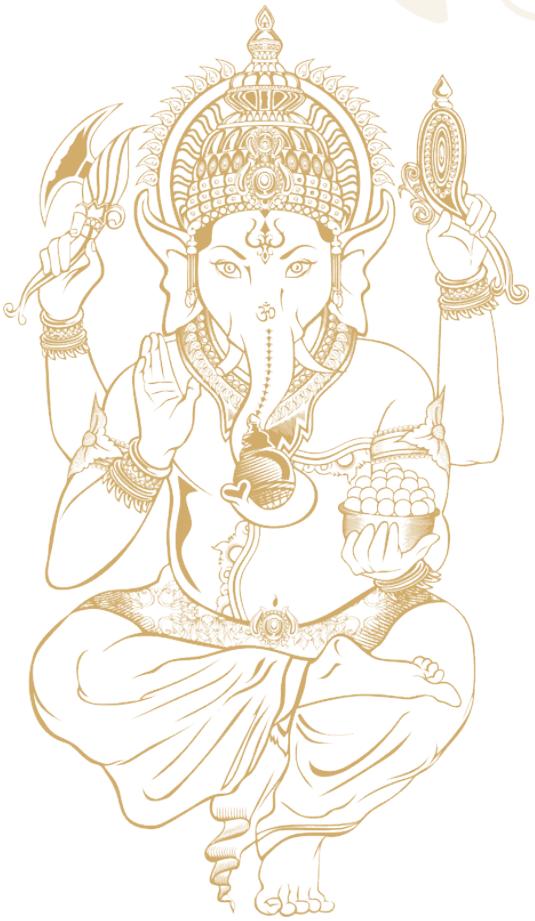

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121819002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/03/1995	जन्म तिथि	01/01/1998
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 08:15:00	जन्म समय	18:00:00 घंटे
घटी 05:50:07	जन्म समय(घटी)	28:06:33 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Gorakhpur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:57	सूर्योदय	06:45:22
18:10:10	सूर्यास्त	17:14:39
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:41

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 9वर्ष 7मा 1दि		25:33:29	मेष	लग्न	मिथु	27:50:05	मंगल 6वर्ष 10मा 26दि	
राहु		11:11:15	मीन	सूर्य	धनु	17:03:37	गुरु	
26/10/2011		10:32:59	मक	चंद्र	मक	23:30:53	28/11/2022	
26/10/2029		19:23:01	कर्क	मंगल	मक	17:20:53	28/11/2038	
राहु	09/07/2014	23:35:07	कुंभ	बुध	वृश्चि	24:57:59	गुरु	15/01/2025
गुरु	01/12/2016	21:31:33	वृश्चि	गुरु	मक	28:31:43	शनि	29/07/2027
शनि	08/10/2019	03:41:39	कुंभ	शुक्र व	मक	09:27:16	बुध	03/11/2029
बुध	27/04/2022	23:39:22	कुंभ	शनि	मीन	19:56:34	केतु	10/10/2030
केतु	15/05/2023	12:12:33	तुला व	राहु व	सिंह	18:28:10	शुक्र	10/06/2033
शुक्र	15/05/2026	12:12:33	मेष व	केतु व	कुंभ	18:28:10	सूर्य	29/03/2034
सूर्य	09/04/2027	06:00:53	मक	हर्ष	मक	13:19:10	चन्द्र	29/07/2035
चन्द्र	07/10/2028	01:27:44	मक	नेप	मक	05:08:03	मंगल	04/07/2036
मंगल	26/10/2029	06:40:30	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	12:57:14	राहु	28/11/2038

लग्न-चलित

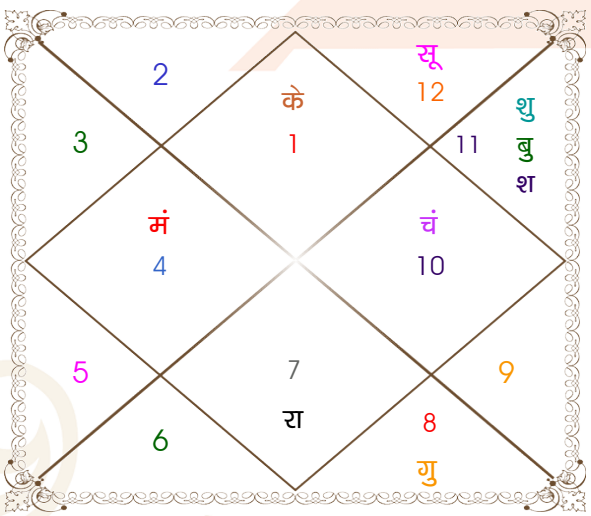

लग्न-चलित

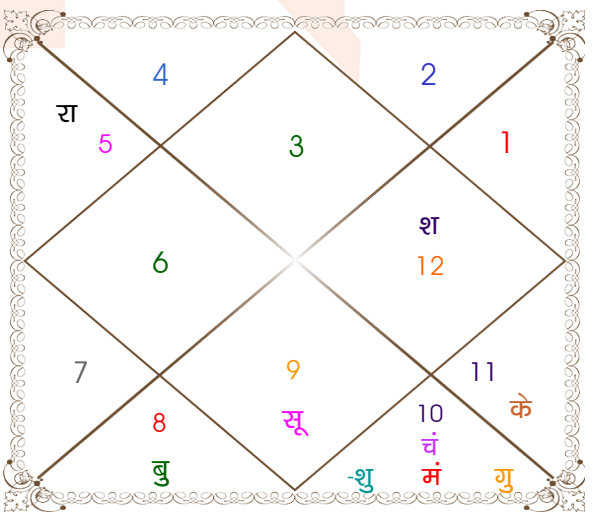

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।